गुर प्रसाद सब जानिअ राजा। कहिअ न आपन जानि अकाजा।।
मख रखवारि करि दुहुं भाइ। गुरू प्रसाद सब बिद्या पाइ।।
सहित समाज तुम्हार हमारा। घर बन गुर प्रसाद रखवारा।।
|| मानस गुरुप्रसाद || Ram Katha 982- Harvard-Massachusetts, USA || ✲मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 31 | इंदौर, शुक्रवार 21 अगस्त, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

कौमी इंसाफ मोर्चा का पंजाब बंद

मोहाली में हाईवे जाम, रेल सेवा पर असर नहीं; जाने के लिए हाथ जोड़ते दिखे लोग

चंडीगढ़, (एजेंसी) कौमी इंसाफ मोर्चा सजा पूरी कर चुके बंदी सिखों की रिहाई, जेल में बंद जगतार सिंह हवारा को कम से कम 10 दिन की पैरोल की मांग कर रहा है। साथ ही मोर्चा चंडीगढ़ में 15 अगस्त की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों की बिना शर्त रिहाई की भी मांग कर रहा है। बंद को कई संगठनों ने अपना समर्थन दिया है।

बंदी सिंहों की रिहाई और जगतार सिंह हवारा को पैरोल देने की मांग को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से पंजाब बंद के आह्वान का अमृतसर में भी व्यापक असर देखने को मिला। शहर के विभिन्न इलाकों में सिख संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मार्च निकालकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर और झंडे थे। इस दौरान वाहनों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का काफिला भी नजर आया। लाउडस्पीकर से लोगों से बंद को सफल बनाने की अपील की गई।

बंद के चलते कई स्थानों पर बाजार, दुकानें और कारोबारी प्रतिष्ठान बंद रहे। प्रदर्शनकारियों ने 'बंदी सिंह रिहा करो' समेत कई नारे लगाए। सिख नेता भाई मुहकम सिंह ने केंद्र सरकार से सिखों की मांगों पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि बंदी सिंहों की रिहाई के लिए पहले भाई गुरबख्श सिंह और सूरसिंह खालसा ने लंबी भूख हड़ताल की थी। अब कौमी इंसाफ मोर्चा लंबे समय से उनकी रिहाई की मांग कर रहा है।

भाई मुहकम सिंह ने आरोप लगाया कि सरकारों की ओर से किए गए वादे पूरे नहीं हुए और बंदी सिंहों को रिहाई के साथ पैरोल भी नहीं दी जा रही। उन्होंने कहा कि अलग-अलग समुदायों के लोगों ने कारोबार बंद रखकर एकजुटता का संदेश दिया है।

दूसरी ओर भाई रणजीत सिंह ने दावा किया कि पंजाब बंद को लोगों का समर्थन मिला और कई जगह दुकानें, कारखाने, पेट्रोल पंप व कुछ बैंक भी बंद रहे। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर यातायात भी प्रभावित हुआ और सड़कें जाम की गईं। उनके अनुसार पंजाब बंद का आह्वान दोपहर दो बजे तक किया गया था। उन्होंने कहा कि बंदी सिंहों की रिहाई का संघर्ष जारी रहेगा और भाई जगतार सिंह हवारा को पैरोल मिलने की भी उम्मीद है।

सीएम बोले-

ग्रीन एनर्जी और डिजिटल कनेक्टिविटी का हब बनेगा पीथमपुर, 1140 करोड़ के कुल निवेश का लक्ष्य

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार, एजेंसी। औद्योगिक नगरी पीथमपुर के स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में 850 करोड़ रुपये निवेश की प्रताप ग्रुप की दो अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयों कॉर्सिस इंडस्ट्रीज एवं वोल्टर्स टेक्नोलॉजी का शुभारंभ गुरुवार को हुआ है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी विशेष रूप से मौजूद थे। इन इकाइयों से सैकड़ों युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दोनों इकाइयां उच्च तकनीक आधारित विनिर्माण एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं को और मजबूत करेंगी। आज के समय में युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सबसे बड़ी आवश्यकता है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और मध्यप्रदेश भी युवा शक्ति से समृद्ध प्रदेश है। ऐसे में युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग करने के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। कार्यक्रम में विधायक नीना वर्मा, निलेश भारती, प्रताप ग्रुप के चेयरमैन देवेंद्र सिंह शेखावत सहित ग्रुप के अधिकारी मौजूद रहे।

भविष्य की तकनीक से लैस हैं इकाइयां

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इकाइयों का अवलोकन करने के बाद कहा कि राज्य सरकार युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का सही उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ये इकाइयां जर्मन तकनीक के सहयोग से ऑप्टिकल फाइबर और लिथियम बैटरी का निर्माण करेंगी। यह कदम भविष्य की डिजिटल आवश्यकताओं और ग्रीन एनर्जी की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इन औद्योगिक परियोजनाओं के माध्यम से कुल 30 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का प्रतीक

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पीथमपुर में स्थापित हो रहे ये प्लांट भारत के बढ़ते औद्योगिक परिदृश्य और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियां, बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स अधोसंरचना इसे देश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। बैटरी स्टोरेज प्लांट जहां ग्रीन एनर्जी की मांग को पूरा करेंगे, वहीं ऑप्टिकल फाइबर यूनिट देश की संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूती प्रदान करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में पर्याप्त बिजली, जल, बेहतर सड़क और लॉजिस्टिक्स अधोसंरचना के साथ-साथ निवेश-अनुकूल नीतियां निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर और बेहतरीन एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी प्रदेश को देश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बना रही है।

मूर्ति निर्माण और विसर्जन के लिए नई गाइडलाइन जारी, नहीं मानी तो होगी कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर जिले में पर्यावरण संरक्षण, जल निकायों को प्रदूषण से बचाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत इंदौर में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए हैं। यह आदेश 19 अगस्त 2026 से तुरंत लागू होकर 18 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगा।

जारी किए गए आदेश के अनुसार, जिले में प्रतिमाओं और मूर्तियों के निर्माण के लिए केवल प्राकृतिक और परंपरागत मिट्टी का ही उपयोग किया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में पकी हुई मिट्टी, पीओपी (प्लास्टर ऑफ पेरिस), रासायनिक पदार्थों या केमिकल्स के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही मूर्तियों पर रंग-रोगन करने के लिए केवल प्राकृतिक और गैर-विषाक्त रंगों के उपयोग की ही अनुमति दी गई है। किसी भी तरह के जहरीले और केमिकल रंगों का प्रयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इंदौर जिले की सीमा में केवल परंपरागत मिट्टी से बनी मूर्तियों के निर्माण और बिक्री की अनुमति होगी। पीओपी या

किसी भी रासायनिक पदार्थ से बनाई गई मूर्तियों का उत्पादन, बिक्री, जिले से बाहर भेजना या बाहर के क्षेत्रों से जिले के भीतर लाना पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। नगर निगम और अन्य स्थानीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मूर्ति निर्माण स्थलों का आवश्यक सत्यापन करें। आदेश लागू होने के बाद यदि कोई व्यक्ति मिट्टी के स्थान पर पीओपी या रासायनिक पदार्थों का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो संबंधित नगर निगम या स्थानीय निकाय ऐसी मूर्तियों को तुरंत अपने कब्जे में ले लेगा। इन जब्त की गई मूर्तियों का निपटान नगरीय ठोस अपशिष्ट नियम-2000 के तहत तय प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। मूर्ति विसर्जन से पहले पूजा सामग्री जैसे फल, फूल, नारियल, वस्त्र, आभूषण और सजावट की वस्तुएं, जिनमें प्लास्टिक और कागज से बनी वस्तुएं शामिल हैं, उन्हें प्रतिमा से अलग करके एकत्र किया जाएगा। इस सामग्री का निस्तारण भी नगरीय ठोस अपशिष्ट नियम-2000 के अनुसार किया जाएगा। इसके अलावा, मूर्ति विसर्जन के 24 घंटे के अंदर जल स्त्रोतों से निकला ठोस अपशिष्ट, जैसे बांस, रस्सी, मिट्टी, पीओपी और प्रतिमाओं के अन्य अवशेषों को एकत्र करके नियमानुसार निपटान किया जाएगा।

इंदौर-दाहोद रेल प्रोजेक्ट: 2.95 किमी सुरंग की लाइनिंग पूरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के तहत बन रही करीब 2.95 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। सुरंग की लाइनिंग का काम पूरा हो चुका है। अब अंदर ट्रैक बिछाने के साथ ड्रेनेज, पीसीसी और सुरक्षा से जुड़े अन्य कामों को गति दी गई है।

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के मुताबिक, सुरंग में कई निर्माण कार्य समानांतर चल रहे हैं। लाइनिंग पूरी होने के बाद अब बैलास्टलेस ट्रैक और अन्य सिविल वर्क पर विशेष फोकस किया जा रहा है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि सुरंग में अब तक 1216 मीटर बैलास्टलेस ट्रैक तैयार हो चुका है। वर्तमान में 810 मीटर हिस्से में ट्रैक बिछाने का काम जारी है। पीसीसी की फाइनल लेयर का 1470 मीटर और पहली लेयर का 2007 मीटर काम पूरा हो चुका है। फिलहाल 740 मीटर में पीसीसी का काम चल रहा है। सुरंग में जलभराव रोकने के लिए ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण भी साथ-साथ किया जा रहा है। दोनों तरफ की साइड ड्रेन, इनवर्ट ड्रेन और अन्य संरचनात्मक कार्यों का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है। कट एंड कवर सेक्शन में ओवरट रिइनफोर्समेंट और लाइनिंग का काम भी पूरा कर लिया गया है। बाकी ड्रेनेज और बैकफिलिंग जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। सुरंग में यात्रियों की सुरक्षा के लिए रिफ्यूज निच और रेस्क्यू शाफ्ट बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा वेंटिलेशन डक्ट और एग्जॉस्ट फैन लगाने का काम भी जारी है। इन व्यवस्थाओं से सुरंग के भीतर हवा का प्रवाह बनाए रखने और आपात स्थिति में धुआं बाहर निकालने में मदद मिलेगी। पश्चिम रेलवे का निर्माण विभाग सुरंग के बाकी सिविल कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए आधुनिक मशीनरी और उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहा है। ट्रैक, ड्रेनेज और अन्य निर्माण कार्यों को समानांतर गति दी जा रही है। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश और गुजरात के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा। इससे यात्रियों के लिए आवागमन आसान होने के साथ माल परिवहन को भी गति मिलने की उम्मीद है। इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापार, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों को भी इस परियोजना से फायदा मिल सकता है।

रेस्टोरेंट कर्मचारी की हत्या के बाद चक्काजाम

भीड़ के खिलाफ एफआईआर दर्ज

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में रेस्टोरेंट कर्मचारी श्रीराम राजपूत की हत्या के बाद सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन और चक्काजाम करने के मामले में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि दीपमाला चौराहे पर शव रखकर इंदौर-उज्जैन मार्ग को 3 घंटे से ज्यादा समय तक बाधित किया गया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस के मुताबिक, मृतक के शव को सड़क पर रखकर श्याम सिंह राजपूत, देवेंद्र सिंह राजपूत, देवेन्द्र, राजपाल, बादल जायसवाल, बलराज उर्फ बलवीर, सोनू सिंह राजपूत, राज राजपूत, जय डीजे सहित अन्य लोगों ने बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन किया। पुलिस ने सभी के खिलाफ रास्ता बाधित करने के मामले में कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि हत्या के बाद मृतक के परिजनों को समझाइश दी गई थी। उन्हें बताया गया था कि आरोपी राहुल भाटी को गिरफ्तार कर लिया गया है। परिजन पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट भी थे। पोस्टमार्टम के बाद घर के लिए रवाना होने के दौरान परिवार के लोगों को अन्य लोगों ने उकसाया। इसके बाद शव को रास्ते में रखकर जाम लगा दिया गया। चक्काजाम के कारण दीपमाला चौराहे और आसपास के मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब 3 घंटे से ज्यादा समय तक दोनों तरफ जाम लगा रहा। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम से फोर्स को मौके पर भेजना पड़ा।

स्वच्छता मॉडल देखने बंगाल से पहुंची टीम

कैसे बना इंदौर देश का सबसे साफ शहर, यह समझने आए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। स्वच्छता के क्षेत्र में देश-दुनिया में पहचान बना चुका इंदौर अब पश्चिम बंगाल के लिए रोल मॉडल बन रहा है। पश्चिम बंगाल के रूरल डेवलपमेंट एवं पंचायत मंत्री दिलीप घोष गुरुवार को अधिकारियों की टीम के साथ इंदौर पहुंचे।

टीम में आईआईटी के प्रोफेसर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के इंजीनियर समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे। टीम ने इंदौर के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से लेकर घर-घर कचरा संग्रहण, सेग्रीगेशन, परिवहन और कचरे की प्रोसेसिंग तक की व्यवस्था को करीब से समझा। मंत्री घोष ने कहा कि इंदौर आज ही नहीं, बल्कि कई सालों से देश का सबसे साफ शहर बना हुआ है और लगातार इस व्यवस्था को बनाए हुए है। बंगाल की टीम यह समझने आई है कि आखिर इंदौर ने यह मुकाम कैसे हासिल किया और इसे लगातार कैसे बरकरार रखा जा रहा है। उन्होंने

कहा कि टीम ने यहां सफाई व्यवस्था, उसकी मॉनिटरिंग और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की पूरी प्रोसेस को समझा। कचरे का सेग्रीगेशन किस तरह होता है और उसे किस तरह ट्रांसपोर्ट व प्रोसेस किया जाता है, इसकी भी जानकारी ली गई। टीम ने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का भी निरीक्षण किया। मंत्री ने कहा कि जब स्वच्छता की बात होती है तो इंदौर का नाम सबसे पहले आता है। यह हमारे लिए एक मॉडल है। इंदौर यहां तक कैसे पहुंचा, इसका इतिहास और यहां लागू किए गए सिस्टम को हम समझ रहे हैं। धीरे-धीरे इसी प्रक्रिया को पश्चिम बंगाल में शुरू किया जाएगा। उन्होंने माना कि स्वच्छता के मामले में बंगाल अभी काफी पीछे है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार नई आई है। अभी से इस पर पूरा ध्यान देकर व्यवस्था को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ व्यवस्थाएं हमारे यहां हैं, लेकिन वे पर्याप्त नहीं हैं। मंत्री घोष ने कहा कि मध्य प्रदेश में जो काम 10 साल पहले शुरू हो जाना चाहिए था, उसे अब हमारी सरकार आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि आवास प्लस योजना के सर्वे में भी गड़बड़ियां सामने आई हैं। करीब 30 लाख आवास के लिए राशि दी गई, लेकिन इनमें 7,500 से अधिक लोग पात्र ही नहीं थे, ऐसे मामलों में राशि की रिकवरी की जा रही है। इसी तरह एसआईआर के कारण हटाए गए करीब 91 लाख मतदाताओं में से लगभग 58 हजार ऐसे लोगों की भी पहचान हुई है, जो नागरिक ही नहीं हैं और उनका नाम भी हटाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि ऐसे कई मामलों में अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें सिस्टम से बाहर किया जा रहा है, ताकि सरकारी पैसे की बर्बादी रोकी जा सके। इसके लिए अलग-अलग रिकॉर्ड का मिलान कर सिस्टम को दुरुस्त किया जा रहा है और इसमें थोड़ा समय लगेगा।

कमरे में युवक के साथ मिली पत्नी, पति ने फटकारा

महिला ने एसिड पीकर जान दी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र के ग्राम दुधिया में एक महिला ने एसिड पीकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि पति ने उसे एक युवक के साथ कमरे में देख लिया था। इस बात पर दोनों के बीच कहासुनी हुई और पति ने पत्नी को डांट लगाई। इसके बाद पति अपनी बेटी को लेकर घर से चला गया। कुछ देर बाद लौटने पर महिला की तबीयत बिगड़ी मिली। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, रानू (31) पत्नी सोनू लोधी ने बुधवार को एसिड पी लिया था। पति सोनू ने बताया कि वह घर पहुंचा तो पत्नी एक युवक आशीष के साथ कमरे में बैठी थी। इस बात पर उसने पत्नी को फटकार लगाई। दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद सोनू अपनी एक बेटी को लेकर घर से चला गया।

कुछ देर बाद सोनू वापस लौटा तो रानू की तबीयत बिगड़ी हुई थी। पूछने पर उसने एसिड पीने की बात बताई। सोनू उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को रानू की मौत हो गई। सोनू ने बताया कि उसकी शादी को करीब 9 साल हो चुके हैं। उसकी दो बेटियां हैं। वह मूल रूप से विदिशा का रहने वाला है और दुधिया में एक कीटनाशक कंपनी में काम करता है। सोनू के मुताबिक, जिस आशीष को उसने पत्नी के साथ देखा था, वह भी दुधिया इलाके का रहने वाला है। सोनू के घर पहुंचने पर आशीष वहां से भाग गया था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मैकेनिकल इंजीनियर की सड़क हादसे में मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सड़क हादसे में घायल 50 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर की गुरुवार सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्हें दो दिन पहले घर से काम के लिए निकलते समय बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी। गंभीर हालत में परिजन उन्हें एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान शैलेष (50) पुत्र रामदेव कुशवाह निवासी धरमपुरी के रूप में हुई है। वे मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। 17 अगस्त को बाइक की टक्कर के बाद उन्हें एंबुलेंस से एमवाय अस्पताल लाया गया था। शैलेष के भाई धर्मेंद्र ने बताया कि वे पहले वडोदरा की डीएनएस कंपनी में काम करते थे। करीब एक महीने पहले ही उनकी नौकरी डब्ल्यूआरके कंपनी में लगी थी, जिसके बाद वे इंदौर आ गए थे। परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी हैं। मौत के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए उत्तर प्रदेश ले जाएंगे। पुलिस ने हादसे को लेकर बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी बाइक चालक की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

सगाई टूटने से दुःखी युवती ने जहर खाकर दी जान

मंगेतर ने किसी और से चैटिंग का लगाया था आरोप

इंदौर। एमआईजी थाना इलाके में सगाई टूटने से दुखी 19 वर्षीय युवती ने गुरुवार देर रात जहर खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर छोटी बहन ने उससे पूछा तो उसने जहर खाने की बात बताई। इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिवार का आरोप है कि करीब 8 दिन पहले मंगेतर ने युवती से शादी करने से इनकार कर दिया था और सगाई तोड़ने की बात कही थी। इसके बाद से वह तनाव में थी और मंगेतर से एक बार बात करना चाहती थी। पुलिस के मुताबिक मारिया (19) पिता उमर शेख निवासी स्वर्ण बाग कॉलोनी ने जहर खाकर आत्महत्या की। मारिया ने 12वीं तक पढ़ाई की थी। परिवार में उसके दो भाई और एक बहन हैं। उसके पिता मैकेनिक का काम करते हैं। मारिया के पिता उमर शेख ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की 15 जून 2025 को आजाद नगर निवासी सोहेल उर्फ साहिल से सगाई हुई थी। दोनों की सगाई को करीब डेढ़ साल हो चुका था और इसी साल शादी की बात चल रही थी। परिवार के मुताबिक करीब 8 दिन पहले सोहेल ने फोन पर मारिया से कहा कि वह शादी नहीं करना चाहता और सगाई तोड़ रहा है। उसने अपने परिवार के लोगों को भी इसके लिए राजी कर लिया था। मारिया ने यह बात अपने परिवार को बताई। इसके बाद उसके परिजन ने सोहेल के परिवार से बात की। आरोप है कि सोहेल के परिजनों ने यह कहकर बात टाल दी कि जब वह शादी नहीं करना चाहता तो वे क्या कर सकते हैं। परिजनों के मुताबिक सगाई टूटने की बात के बाद मारिया तनाव में रहने लगी थी। वह पिछले 8 दिनों से सोहेल से एक बार बात करने और मिलने की जिद कर रही थी। हालांकि, परिवार का कहना है कि सोहेल ने उससे मिलने से भी इनकार कर दिया था। इसी तनाव के बीच गुरुवार देर रात उसने जहर खा लिया। परिवार के मुताबिक सोहेल ने मारिया पर किसी अन्य लड़के से चैटिंग करने का आरोप लगाया था। उसने परिवार से यह भी कहा था कि मारिया उसे समय नहीं देती और मोबाइल पर भी उससे बात नहीं करती। हालांकि, मारिया के पिता ने चैटिंग के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। वे मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे थे। इसके बावजूद वह सोहेल से एक बार मिलने की बात पर अड़ी थी। सोहेल आजाद नगर इलाके में जूस की दुकान संचालित करता है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों और परिवार की ओर से लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

30 कछुए जब्त, दो युवक गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। वन्य प्राणियों की तस्करी के खिलाफ स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने इंदौर में कार्रवाई करते हुए कछुआ तस्करी के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग प्रजातियों के 30 कछुए बरामद किए हैं। पुलिस ने गुरुवार को खुलासा किया। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स को सूचना मिली थी कि दो युवक कछुए बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने योजना बनाकर दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुसाखेड़ी निवासी केशव शर्मा और रोहन गौड़ के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि केशव ग्राहकों से संपर्क कर कछुओं का सौदा करता था, जबकि रोहन उन्हें ग्राहकों तक पहुंचाता था। दोनों मिलकर कछुओं की तस्करी कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान टीम ने उनके कब्जे से विभिन्न प्रजातियों के 30 कछुए बरामद किए। कछुओं को जब्त करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। वन विभाग की टीम मामले की आगे जांच कर रही है।

पत्नी-बेटी की हत्या, खुद भी करना चाहता था सुसाइड

● आरोपी पति बोला- मेरे मरने के बाद बच्चों का क्या होता, इसलिए उन्हें भी मारना चाहा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कनाड़िया स्थित झालरिया क्षेत्र में सोमवार रात पत्नी अनीता और बेटी माही की हत्या करने वाले आरोपी सुनील चौहान ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह पत्नी की हत्या के बाद खुद भी सुसाइड करना चाहता था। उसे बच्चों के भविष्य की चिंता हुई और उसने सोचा कि उसके मरने के बाद बच्चों का क्या होगा। इसके बाद उसने दोनों बच्चों को भी मारने की योजना बना ली। सुनील ने बेटे अजय पर भी जानलेवा हमला किया, लेकिन वह बच गया।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, सुनील अपनी पत्नी अनीता के चरित्र पर शंका करता था। पूछताछ में उसने दावा किया कि उसे लगता था कि दोनों बच्चे उसके नहीं हैं और गांव का एक युवक अक्सर अनीता से मिलने घर आता था। सुनील ने पुलिस को बताया कि इसी शंका के चलते उसने पहले पत्नी और फिर दोनों बच्चों को मारने की योजना बनाई। इसके बाद खुद भी जान देने का इरादा था। अनीता के चचेरे भाई बबलू मसौरे ने बताया कि सुनील काफी शकी मिजाज का था। वह अनीता को आसपास के लोगों से बात तक नहीं करने देता था। बबलू के मुताबिक, वह अनीता से राखी बंधवाने उसके घर जाता था। इस दौरान भी सुनील उससे विवाद करता था। अनीता को लेकर उसने बबलू से मारपीट भी की थी, जिसके बाद उसने सुनील के घर जाना बंद कर दिया। सुनील के घर से एक डायरी जब्त किए जाने की बात सामने आई है। आरोपी ने दावा किया है कि वह इसमें अपने साथ हुई घटनाओं के बारे में लिखता था और इसमें उसने दोनों बच्चों को अपना नहीं होने की बात भी लिखी है। वहीं, एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, डायरी को लेकर अभी कोई ऐसी बात सामने नहीं आई है, जिसका हत्याकांड से संबंध हो। पुलिस का कहना है कि आरोपी गुमराह करने के लिए ऐसी बातें कह रहा है।

एमपी में श्रमिकों के लिए सरकार की खास योजना

श्रमिकों को ई-स्कूटी पर 50% या अधिकतम ₹40,000 की छूट

- 'पहले आओ, पहले पाओ' से हर साल केवल 1,000 श्रमिकों को मौका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। **रोज काम पर जाने के लिए दोपहिया खरीदने का सपना देखने वाले निर्माण श्रमिकों के लिए मध्य प्रदेश सरकार की यह योजना बड़ी राहत दे सकती है। पात्र श्रमिकों को ई-स्कूटी की कीमत का 50% या अधिकतम 40 हजार तक अनुदान मिलेगा, लेकिन मौका सिर्फ 1,000 लोगों के लिए है और चयन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होगा।**

मध्य प्रदेश में निर्माण श्रमिकों के लिए सरकार ने ई-स्कूटी खरीदने पर आर्थिक सहायता देने की योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य श्रमिकों के रोजाना आवागमन को आसान बनाना और उन्हें कम लागत में ई-स्कूटर उपलब्ध कराना है। 'भवन एवं अन्य सन्निर्माण ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना, 2024' के तहत पात्र श्रमिक को ई-स्कूटर की कीमत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 40 हजार रुपये तक अनुदान दिया जाएगा। योजना को एक उदाहरण से समझें। अगर किसी पात्र श्रमिक ने 70 हजार रुपये की ई-स्कूटी खरीदी, तो उसकी कीमत का 50 प्रतिशत यानी 35 हजार रुपये अनुदान के रूप में मिलेंगे। वहीं अगर ई-स्कूटी की कीमत 1 लाख रुपये है, तो 50 प्रतिशत राशि 50 हजार रुपये होगी, लेकिन योजना के तहत अधिकतम 40 हजार रुपये ही मिलेंगे। ई-स्कूटी की कीमत का 50% या अधिकतम 40 हजार तक अनुदान मिलेगा. हर साल सिर्फ 1,000 श्रमिकों को योजना का लाभ मिलेगा, 60 सीटें दिव्यांग श्रमिकों के लिए आरक्षित हैं। लाभ के लिए श्रमिक का कम से कम 5 साल लगातार पंजीकृत होना जरूरी है। 17 लाख श्रमिक, लेकिन मौका सिर्फ 1,000 को मध्य प्रदेश में करीब 17 लाख निर्माण श्रमिक पंजीकृत हैं। इनमें बढ़ई, वेल्डर, प्लम्बर, राजमिस्त्री सहित 49 प्रकार के निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक शामिल हैं। हालांकि, चालू वित्तीय वर्ष में योजना के तहत सिर्फ 1,000 श्रमिकों को लाभ देने का प्रावधान है। इसलिए तय संख्या पूरी होने के बाद उस साल के लिए योजना का लाभ नहीं मिल सकेगा। इस योजना में सरकार सीधे ई-स्कूटी खरीदकर नहीं देगी। पात्र श्रमिक को पहले अपने नाम से ई-स्कूटर खरीदना होगा। खरीद के बाद जरूरी दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा। विभाग द्वारा दस्तावेजों और पात्रता की जांच के बाद अनुदान राशि सीधे श्रमिक के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। भुगतान के लिए करीब 10 दिन के भीतर राशि जारी करने का प्रावधान बताया गया है। योजना का लाभ हर श्रमिक को नहीं मिलेगा। इसके लिए भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में श्रमिक का कम से कम 5 साल से लगातार पंजीकृत होना जरूरी है। इसके अलावा ई-स्कूटर भी उसी श्रमिक के नाम पर आरटीओ में पंजीकृत होना चाहिए। योजना का लाभ पूरे जीवन में केवल एक बार लिया जा सकता है। इसके अलावा अनुदान से खरीदी गई ई-स्कूटी को खरीदने के बाद तीन साल तक किसी दूसरे व्यक्ति को बेचने या हस्तांतरित करने पर रोक रहेगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव की कॉटन मिल नीलाम होगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खरगोन, एजेंसी। खरगोन की 40 साल पुरानी जवाहरलाल नेहरू सहकारी सूत मिल की नीलामी प्रक्रिया शुरू हो गई है। लगभग 25 करोड़ रुपए के घाटे में जाने के बाद मिल वैश्विक मंदी से उबर नहीं पाई। नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनसीडीसी) ने ब्याज सहित 24 करोड़ 16 लाख रुपए का बकाया निकलने पर 23 सितंबर को नीलामी तय की है।

एनसीडीसी की क्षेत्रीय निदेशक इंद्रजीत कौर ने नीलामी की सूचना जारी कर दी है। यह मिल वर्ष 2023-24 में 25.56 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाने के बाद घाटे में चली गई थी। दिसंबर 2025 में इसे बंद कर दिया गया, जिससे 500 से अधिक कर्मचारी बेरोजगार हो गए। मिल के अंशधारियों की रकम भी फंस गई है। मिल मजदूर और कर्मचारी लेबर कोर्ट से निर्णय पारित कराकर लगभग एक करोड़ रुपए के बकाया, ग्रेच्युटी और बोनस की मांग कर रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू सहकारी एग्रीकल्चर प्रोड्यूज प्रोसेसिंग सोसायटी लिमिटेड खरगोन इस सूत मिल का संचालन कर रही है। सोसाइटी के पहले अध्यक्ष सहकारिता नेता स्व सुभाष यादव थे, जिसके बाद उनकी पत्नी दमयंती यादव चेयरपर्सन बनीं। वर्तमान में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री अरुण यादव इसके चेयरमैन हैं।

9वीं की छात्रा का अपहरण के बाद रेप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में 9वीं की छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, 21 जुलाई 2026 को छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हुई थी। पड़ोस में रहने वाला विकास उसे बहला-फुसलाकर मंडीदीप ले गया, जहां एक कमरे में करीब एक महीने तक बंधक बनाकर रखा और कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस ने बुधवार रात लोकेशन के आधार पर छात्रा को मंडीदीप से दस्तयाब कर लिया। गुरुवार सुबह उसके बयान के आधार पर दुष्कर्म की FIR दर्ज की गई। पूछताछ में छात्रा ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले शादीशुदा युवक दीपक साहू ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए। टीआई अवधेश सिंह तोमर के मुताबिक, 21 जुलाई को छात्रा के लापता होने के बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। जांच में पता चला कि विकास उसे अपने साथ मंडीदीप ले गया है। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर बुधवार रात छात्रा को बरामद किया और आरोपी विकास को गिरफ्तार कर लिया।

मानहानि केस में दिग्विजय के वकील ने मांगी अगली तारीख

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में गुरुवार को भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में परिवादी पक्ष का गवाह कोर्ट पहुंचा था, लेकिन दिग्विजय सिंह के अधिवक्ता के दूसरे मामले में व्यस्त होने के कारण गवाह से जिरह नहीं हो सकी। अधिवक्ता ने कोर्ट से जिरह के लिए अगली तारीख देने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने गवाह के देरी से पहुंचने और उसके सुनवाई के लिए कोर्ट आने का संज्ञान लिया। अदालत ने निर्देश दिया कि गवाह के आने-जाने में हुए खर्च की भरपाई के लिए उसे 1000 रुपये दिए जाएं। यह राशि दिग्विजय सिंह पर जुर्माने के रूप में नहीं, बल्कि गवाह के खर्च की भरपाई के लिए देने के निर्देश दिए गए हैं। अब मामले में परिवादी पक्ष के गवाह से प्रतिपरीक्षण की कार्रवाई अगली सुनवाई पर होगी। दिग्विजय सिंह के अधिवक्ता को अगली तारीख पर गवाह से जिरह करनी होगी। यह मानहानि प्रकरण एससीपीएम क्रमांक 13/2022 है। इसमें पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा परिवादी हैं, जबकि दिग्विजय सिंह अभियुक्त हैं। मामला व्यापमं कांड को लेकर विष्णु दत्त शर्मा के खिलाफ लगाए गए कथित मानहानिकारक आरोपों से जुड़ा है। शर्मा की ओर से दिग्विजय सिंह के खिलाफ आपराधिक मानहानि का प्रकरण दर्ज कराया गया था।

सात हजार रिश्वत लेते महिला पटवारी और उसका साथी गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ जिले के जीरापुर में भोपाल लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला पटवारी और उसके साथी को 7,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। नामांतरण की कार्रवाई के बदले घूस मांगने की शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त की टीम ने यह जाल बिछाया था।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम श्यामपुरा निवासी राम प्रसाद दांगी ने 13 अगस्त को लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि उसने ग्राम खेजड़िया 1 की भूमि के नामांतरण के लिए आवेदन किया था। जब उसने आवेदन की प्रगति जानने के लिए संबंधित पटवारी सीमा दांगी से संपर्क किया, तो उसने काम के बदले 7,000 रुपये की रिश्वत मांगी। शिकायत का सत्यापन कराने पर आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पाटीदार के निर्देशन में विशेष दल बनाया गया। गुरुवार को सिरपोई कॉलोनी स्थित पटवारी सीमा दांगी के निजी कार्यालय में कार्रवाई की गई। पटवारी ने सह-आरोपी जमना प्रसाद उर्फ बबलू वर्मा के माध्यम से जैसे ही रिश्वत की राशि ली, लोकायुक्त टीम ने दोनों को तुरंत पकड़ लिया। यह कार्रवाई उप पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में हुई। लोकायुक्त पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरुवार को उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के तहत सती गेट से गोपाल मंदिर तक किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को निर्माण की कार्य योजना की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री चिंता हरण गणेश भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कंठाल चौराहा और प्राचीन श्री सती माता मंदिर द्वार के लिए प्रस्तावित विकास कार्यों की डिजाइन का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सती गेट से छोटा सराफा चौराहा तक पैदल भ्रमण कर मार्ग चौड़ीकरण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने विकास कार्य योजना की जानकारी दी। इस दौरान सांसद श्री अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी संत श्री उमेश नाथ महाराज, महापौर श्री मुकेश टटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, मेला प्राधिकरण अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ 2028 महापर्व के लिए कंठाल चौराहे से छत्री चौक तक कुल 410 मीटर लंबे मार्ग में चौड़ीकरण कार्य के तहत 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है।

बाप-बेटे की जहरीली गैस से मौत

पन्ना। पन्ना जिले में गुरुवार दोपहर बोरवेल में जहरीली गैस से पिता-पुत्र का दम घुट गया। दोनों की बोरवेल के अंदर ही मौत हो गई। पिता-पुत्र मुटलन हार स्थित खेत पर मोटर सुधारने करीब 10 से 12 फीट गहरे बोरवेल में उतरे थे। कुछ देर बाद दोनों बेहोश हो गए। पवई पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान नारायणपुरा निवासी 55 वर्षीय उजागर लाल वर्मन और उनके 30 वर्षीय बेटे अतुल वर्मन के रूप में हुई है।

एक निवेदन

यदि आप साहस और निर्भीकता से खोजी पत्रकार के रूप में कार्य करना चाहते है और अपने आसपास के भ्रष्टाचार/अपराध/अव्यवस्थाओ को उजागर करना चाहते है ।

तो आइए आप हमारे वेबपोर्टल और यूट्यूब चैनल के साथ क्राइम रिपोर्टर के रूप में कार्य करे।

कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करे ।

www.detectivegroupreport.com

या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करे

detectivegroupreport@gmail.com

(आपके सुझाव/लेख /न्यूज़ और सूचना का सदैव स्वागत है)

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ पोलैंड: विदेश नीति में नया मोड़

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की संभावित भारत यात्रा से पहले नई दिल्ली में उसके राजदूत प्योत्र एंटोनी स्विताल्स्की ने आतंकवाद के खिलाफ उसकी नीति पर बड़ा संदेश दिया है। गुरुवार को उन्होंने नई दिल्ली में बताया कि कैसे बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक में पोलैंड ने भारत का साथ दिया और जब भी बात आतंकवाद की होगी, वह भारत के साथ खड़ा रहेगा। पोलैंड के राजदूत ने कहा कि सीमा पार बैठे आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के भारत के अधिकार का वह समर्थन करता है। भारत में पोलैंड के राजदूत प्योत्र एंटोनी स्विताल्स्की के मुताबिक, 'आतंकवाद के सवाल पर हम आपके साथ हैं, क्योंकि हम आतंकवाद से पीड़ित हैं।' उन्होंने यहां तक कहा कि भारत ने जितनी आतंकी हिंसा झेली है, पोलैंड उसकी तुलना नहीं कर सकता। उन्होंने 2025 के पहलगाम हमले समेत भारत में हुई तमाम आतंकवादी वारदातों की ओर इशारा किया। उनके मुताबिक, 'हम तुलना नहीं कर सकते, क्योंकि 2025 में कश्मीर समेत पिछले सालों में भारतीयों के खिलाफ जो आतंकवादी हमले हुए हैं, वे भयानक थे। पोलैंड में उसकी तुलना में कुछ नहीं हुआ।' पहलगाम हमले से ठीक पहले कश्मीर यात्रा से लौटे पोलैंड के राजदूत के मन से आज भी वह वारदात निकल नहीं रही है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के शुरुआती दौर में पाकिस्तान की ओर से पोलैंड के कुछ ड्रोन गिराए जाने की खबरें थीं। उनके मुताबिक उन्हें श है कि वे कोई अटैक प्लेटफॉर्म नहीं थे। 'मुझे संदेह है कि उन्हें सिर्फ डिकॉय के तौर पर इस्तेमाल किया गया था और वे ट्रेनिंग ड्रोन थे....।' मतलब पोलैंड ऑपरेशन सिंदूर में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग की ओर खुलेआम इशारा कर रहा है। उन्होंने साफ किया कि पोलैंड के पाकिस्तान के साथ राजनयिक और आर्थिक रिश्ते हैं और पोलैंड के पायलटों ने पाकिस्तानी एयर फोर्स को खड़ा करने में जॉब के लिए मदद भी की थी। लेकिन, उन्होंने कहा कि यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 1971 के बांग्लादेश आंदोलन में पोलैंड ने क्या भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अगस्त 2024 में पोलैंड की यात्रा की थी, जो कि किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की 45 साल में पहली पोलैंड यात्रा थी। अब पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के भारत आने की अनौपचारिक घोषणा की गई है। इससे पहले वे दो बार और भारत आ चुके हैं। इस यात्रा में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं और पोलैंड के राजदूत ने कहा है कि इसके लिए दोनों ही देशों की सरकारों और कंपनियों ने गंभीर चर्चा शुरू कर दी है और इसके कुछ ठोस परिणाम देखने को मिल सकते हैं। अगर यह सब हुआ तो यह रक्षा सहयोग में पाकिस्तान जैसे भारत के दुश्मन के लिए तीसरा तगड़ा झटका साबित होने वाला है। पोलैंड का दावा है कि पोलैंड के पाकिस्तान के साथ जो भी राजनयिक रिश्ते हैं, उसे संदेह के नजरिए से पेश किए जाने के पीछे विदेशी एजेंडा हो सकता है।

महिला जगत

Overweight होने के बाद भी है पूरी एनर्जी, तो समझो आप हो बिल्कुल हेल्दी

ज्यादातर महिलाएं अब वजन मशीन पर दिखने वाले नंबर के बजाय, रोजाना कैसा महसूस करती हैं, अपनी एनर्जी, फ़ोकस और स्टैमिना को अपनी सेहत से जुड़ी सबसे बड़ी प्राथमिकता मान रही हैं। यह वज़न घटाने से कम अहम लक्ष्य नहीं है; बल्कि यह ऐसी चीज़ पर ध्यान देने की ओर एक बदलाव है जो असल में रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डालती है। लगातार एनर्जी बनाए रखने के पीछे का विज्ञान सिर्फ़ 'बेहतर खाना और ज्यादा सोना' से कहीं ज्यादा है। दशकों से महिलाओं को यह सिखाया गया है कि वजन करने वाली मशीन पर कम नंबर का मतलब बेहतर सेहत है। लेकिन बहुत सारे सबूत और महिलाओं के अपने अनुभव इस सोच को चुनौती दे रहे हैं।

● एनर्जी (ऊर्जा) पर क्यों किया जा रहा फोकस ?

लंबे समय तक सेह को लगभग पूरी तरह से वजन के पैमाने से ही मापा जाता था। अब एनर्जी को प्राथमिकता देने की ओर जो बदलाव आया है, वह असल में रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने वाली चीजों को नई प्राथमिकता देने जैसा है: रोजाना की जिंदगी में, वज़न के किसी खास नंबर के मुकाबले, काम के दिन को ठीक से पूरा कर पाना, बच्चों के लिए मौजूद रहना या बिना थके या हिम्मत हारे वर्कआउट पूरा कर पाना ज्यादा मायने रखता है। थकान हमेशा नींद की समस्या नहीं होती है। लगातार रहने वाली थकान कई तरह की जीवनशैली और खान-पान से जुड़ी वजहों से हो सकती है, न कि सिर्फ़ नींद की कमी से। यही वजह है कि 'बस ज्यादा सोओ' वाली सलाह से अक्सर यह समस्या पूरी तरह ठीक नहीं होती।

● B-विटामिन और इंसुलिन-सिग्नलिंग के बीच है गहरा कनेक्शन

B-विटामिन सीधे तौर पर एनर्जी नहीं देते, लेकिन वे उन मेटाबोलिक प्रोसेस में ज़रूरी को-फ़ैक्टर होते हैं जिनका इस्तेमाल आपका शरीर खाने को इस्तेमाल करने लायक एनर्जी में बदलने के लिए करता है। 2023 में हुए एक रैंडमाइज़्ड, डबल-ब्लाइंड, क्रॉसओवर ट्रायल में 28 दिनों तक रोजाना विटामिन B1, B2, B6 और B12 सप्लीमेंट लेने का अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि प्लेसबो की तुलना में, सप्लीमेंट लेने वाले लोगों में एक्सरसाइज के दौरान थकान महसूस होने में लगने वाले समय में काफ़ी सुधार हुआ। नेशनल इंस्टिट्यूट्स ऑफ़ हेल्थ के ऑफ़िस ऑफ़ डाइटरी सप्लीमेंट्स का कहना है कि जिन लोगों में पहले से ही B12 का लेवल ठीक है, उनमें खास तौर पर B12 सप्लीमेंट लेने से एथलेटिक परफ़ॉर्मेंस में सुधार नहीं होता। जिस पहलू पर कम बात होती है, वह है इंसुलिन सिग्नलिंग। इसका सीधा संबंध दिन भर लगातार एनर्जी बने रहने और ब्लड शुगर के लेवल के स्थिर रहने से है। यही वजह है कि जब एनर्जी की बात होती है और चर्चा 'ज्यादा प्रोटीन खाओ' जैसी आम सलाह से आगे बढ़ती है, तो इनोसिटोल का ज़िक्र ज़रूर आता है।

● पाबंदी के बजाय एनर्जी पर ध्यान देने के नियम

अगर आप वज़न घटाने के लक्ष्यों से हटकर एनर्जी बढ़ाने वाले लक्ष्यों की ओर बढ़ रहे हैं, तो यहां कुछ शुरुआती बातें दी गई हैं:

1. दिन के किस समय आपकी एनर्जी कम होती है, इस पर ध्यान दें और पैटर्न देखेंजैसे कि खाना न खाना, ठीक से न सोना या बहुत ज्यादा तनाव वाला समयबजाय इसके कि इसे सिर्फ़ 'सामान्य थकान' मान लें।
2. पाबंदी वाले खान-पान के तरीकों के बजाय प्रोटीन और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट वाला नियमित खाना खाएं, पाबंदी वाले तरीकों से एनर्जी स्थिर रहने के बजाय और अस्थिर हो सकती है।
3. B-कॉम्प्लेक्स या इनोसिटोल जैसे न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट का असर देखने के लिए उन्हें कई हफ़्तों तक लगातार लें, न कि तुरंत एनर्जी बढ़ने की उम्मीद करें।
4. अगर थकान लगातार बनी रहती है, बहुत ज्यादा है या उसके साथ दूसरे लक्षण भी हैं, तो अपने डॉक्टर से बात करें, क्योंकि लगातार थकान के कई छिपे हुए कारण हो सकते हैं जिनकी जांच ज़रूरी है।

● क्या बी विटामिन सच में ज्यादा एनर्जी देते हैं ?

B विटामिन सीधे एनर्जी देने के बजाय शरीर के एनर्जी मेटाबॉलिज़्म में को-फ़ैक्टर के तौर पर काम करते हैं। रिसर्च से पता चला है कि कंट्रोल्ड एक्सरसाइज ट्रायल में B-कॉम्प्लेक्स सप्लीमेंटेशन से थकान कम करने में मापने लायक असर दिखता है, हालांकि इसके फ़ायदे तब सबसे ज्यादा असरदार होते हैं जब शरीर में किसी न्यूट्रिशनल कमी को पूरा किया जा रहा हो। अगर थकान बहुत ज्यादा है, अचानक हुई है, या कुछ हफ़्तों से ज्यादा समय से बनी हुई है, या इसके साथ दूसरे लक्षण भी हैं, तो सिर्फ़ सप्लीमेंट्स लेने के बजाय अपने हेल्थकेयर प्रोवाइडर से बात करें।

Noida

परीक्षा केंद्रों में मिली पेपर लीक गिरोह की हिस्सेदारी, STF जांच में खुलासा

नोएडा, (एजेंसी) एसएससी समेत ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं में हाईटेक तरीके से नकल कराने वाला गिरोह के तार परीक्षा केंद्रों से जुड़े होने का खुलासा हुआ है। 31 जुलाई को नोएडा एसटीएफ की ओर से गिरफ्तार किए गए आरोपी लोकेश से पूछताछ में सामने आया है कि नकल कराने वाला यह नेटवर्क सिर्फ अभ्यर्थियों को परीक्षा पास कराने तक सीमित नहीं था। गिरोह से जुड़े जालसाजों की परीक्षा केंद्रों में भी हिस्सेदारी थी। एसटीएफ के मुताबिक नेटवर्क से जुड़े आरोपी परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं और तकनीकी सिस्टम की जानकारी जुटाकर नकल कराते थे।

लोकेश से एसटीएफ की पूछताछ में पता चला कि गिरोह से जुड़े आरोपियों के पास परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था, कंप्यूटर सिस्टम और निगरानी तंत्र की विस्तृत जानकारी थी। लोकेश के पास से 92 मॉडिफाइड टीएफटी स्क्रीन बरामद की गई थी। एसटीएफ को पता चला है कि लोकेश वर्ष 2017 से इन स्क्रीन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को तैयार कर अलग-अलग राज्यों में सक्रिय नकल गिरोहों को उपलब्ध करा रहा था। अब तक की जांच में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र में नेटवर्क होने की जानकारी मिली है। एसटीएफ जांच में सामने आया है कि लोकेश खुद उपकरण तैयार करता था और जरूरत के मुताबिक नकल गिरोहों को सप्लाई करता था।

New Delhi

दिल्ली-NCR में ED की बड़ी कार्रवाई, 386 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में 7 जगह तलाशी

नई दिल्ली, (एजेंसी) ईडी ने 'ताशी ग्रुप' और उससे जुड़ी कंपनियों से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में दिल्ली-एनसीआर में 7 जगहों पर तलाशी और सर्वे का काम किया। जांच एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि ये तलाशी 19 और 20 अगस्त को ईडी के गुरुग्राम जोनल ऑफिस ने 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA), 2002' के नियमों के तहत की थी। यह जांच मेसर्स ताशी लैंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स केएनएस इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स सोनी इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल काशी नाथ शुक्ला और उनसे जुड़ी दूसरी कंपनियों और लोगों से संबंधित है।

ईडी के मुताबिक, यह जांच गुरुग्राम के सेक्टर 111 में 'ताशी कैपिटल गेटवे प्रोजेक्ट' और सेक्टर 68 में 'ओरियन गैलेक्सी प्रोजेक्ट' (पहले 'स्पायर साउथ') में घर खरीदारों और निवेशकों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़ी है। इसे दिल्ली पुलिस और हरियाणा पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग द्वारा दर्ज कई एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर शुरू किया गया है।

जांच एजेंसी ने कहा कि जांच में इन्वेस्टमेंट फंड के कथित गलत तरीके से हासिल करने और उसे दूसरी जगह लगाने, हाउसिंग लोन धोखाधड़ी और निवेशकों के साथ धोखाधड़ी के मामले भी शामिल हैं।

Maharashtra

मकान पर गिरी भारी क्रेन कई लोग घायल, जांच शुरू

मुंबई, (एजेंसी) मुंबई के कुर्ला में गुरुवार देर रात एक घर पर क्रेन गिर गई। इस हादसे में 10 लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की एक बड़ी क्रेन कुरैशी नगर में मध्य रेलवे की पटरियों के साथ एक मकान पर गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि किसी के मलबे में फंसे होने की आशंका नहीं है। बीएमसी पीआरओ कार्यालय का कहना है, 'यह दुर्घटना एक ऑपरेशन के लिए पोक्लेन मशीन का इस्तेमाल करके क्रेन लगाते समय हुई। इस घटना में छह लोग घायल हुए, जिन्हें सायन अस्पताल और कुर्ला भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है।' मध्य रेलवे ने बाद में स्पष्ट किया कि पास में चल रहे एमएमआरडीए के काम के लिए इस्तेमाल की जा रही क्रेन कुर्ला और ट्रॉम्बे के बीच सिंगल रेलवे लाइन के ओवरहेड इलेक्ट्रिक उपकरण पर गिरी। इस रेल लाइन का मुख्य रूप से मालगाड़ियों की आवाजाही के लिए इस्तेमाल होता है। रेलवे के मुताबिक, हादसे का नियमित ट्रेन सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है।

Rajasthan

जयपुर में स्कूल का जायजा लेने पहुंचे कॉकरोच पार्टी के कार्यकर्ताओं का विरोध, ग्रामीणों पर मारपीट और हाथापाई का आरोप

जयपुर, (एजेंसी) राजस्थान की राजधानी जयपुर के बगरू के रामपुरा-कंवरपुरा गांव में सरकारी स्कूल की व्यवस्थाओं को लेकर पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों ने खदेड़ दिया. इसके बाद ग्रामीण CJP के खिलाफ धरने पर बैठ गए. वहीं CJP से जुड़े आशुतोष रांका ने आरोप लगाया है कि उनकी टीम के साथियों के साथ भाजपा के गुंडों ने मारपीट की.

जयपुर के बगरू इलाके में स्थित रामपुरा-कंवरपुरा गांव के राजकीय प्राथमिक स्कूल में उस समय हंगामा हो गया जब CJP के कार्यकर्ता स्कूल की व्यवस्थाओं को देखने पहुंचे. गांव के लोगों ने कार्यकर्ताओं का विरोध किया और उन्हें वहां से भगा दिया. इसके बाद ग्रामीण CJP के खिलाफ

धरने पर बैठ गए.

आशुतोष रांका इसी स्कूल में पहुंचने वाले थे. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि रामपुरा, कंवरपुरा में स्थित यह सरकारी स्कूल पिछले कई सालों से भैंसों के तबेले में चल रहा है. उन्होंने लिखा कि वे खुद वहां पहुंच रहे हैं.

खेल

वर्ल्ड चैंपियनशिप में पीवी सिंधु का सफर खत्म

पहली बार चीनी खिलाड़ी के खिलाफ मिली हार, 3 सेट तक चला रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) मुकाबले में भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु को हार का सामना करना पड़ा है। गुरुवार को खेले गए बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग झी ई ने सिंधु को 21-11, 15-21, 21-17 से हरा दिया। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय स्टार का सफर समाप्त हो गया है।

चीनी खिलाड़ी के खिलाफ पहली हार

यह मुकाबला विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में चीनी खिलाड़ियों के खिलाफ सिंधु की पहली हार के रूप में दर्ज हो गया है। इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में चीन की खिलाड़ियों के खिलाफ सिंधु का रिकॉर्ड 8-0 का था और वह लगातार 8 मैच जीत चुकी थीं। हालांकि, इस मुकाबले में वांग झी ई ने शानदार खेल दिखाते हुए भारतीय शटलर के इस अजेय रथ को रोक दिया।

दूसरे गेम में जीती पीवी सिंधु

मैच की शुरुआत से ही चीनी खिलाड़ी ने दबदबा बनाया और पहला गेम 21-11 से आसानी से अपने नाम कर लिया। इसके बाद सिंधु ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की। उन्होंने नेट प्ले पर पूरा नियंत्रण बनाते हुए आक्रामक खेल दिखाया और 21-15 से जीत दर्ज करके मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम में पहुंचा दिया।

रोमांचक मुकाबले में सिंधु की हार

निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। क्रैम्प से जूझने के बावजूद चीनी खिलाड़ी ने कोर्ट पर पूरा जोर लगाया। मैच का सबसे रोमांचक मोड़ 18-17 के स्कोर पर आया, जब दोनों के बीच 54 शॉट की लंबी और थका देने वाली रैली खेली गई। इस मैराथन रैली को गंवाने के बाद सिंधु वापसी नहीं कर सकीं और वांग ने 21-17 से गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में वांग झी ई का सामना डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन से होगा।

सिनेमा

'हिंदू-मुस्लिम सोच से बाहर निकलें', शर्मिला टैगोर पर भड़कीं कंगना रनौत, 'वंदे मातरम' विवाद पर गरमाया माहौल

मशहूर वेटरन एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर ने हाल ही 'वंदे मातरम' पर छिड़े विवाद पर रिएक्ट करते हुए अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा था कि 'वंदे मातरम' के पहले दो छंद ही अच्छे हैं और इसके बाकी छंद गाना उन लोगों के लिए मुश्किल है, जो एक ही भगवान को मानते हैं। इस पर अब कंगना रनौत ने रिएक्ट किया है। कंगना ने शर्मिला टैगोर के बयान पर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें 'हिंदू-मुस्लिम वाली सोच' से बाहर निकल आना चाहिए। बता दें कि 'वंदे मातरम' गीत पर बुरी तरह घमासान मचा हुआ है। इसे लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच 15 अगस्त को विवाद शुरू हो गया था। BJP ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुख्यालय में जब स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया जा रहा था, तो उस दौरान सोनिया गांधी ने पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर इसे रोकने की कोशिश की थी। इसी विवाद में शर्मिला टैगोर भी कूद पड़ीं, जिस पर कंगना ने पलटवार किया है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शर्मिला टैगोर का 'वंदे मातरम' पर बोलते हुए वीडियो शेयर किया, और लिखा, 'मैं इस बात की तारीफ करती हूं कि शर्मिला जी ने 'वंदे मातरम' को लेकर अपनी आपत्तियां जाहिर की हैं, लेकिन एक कलाकार के तौर पर मुझे हैरानी है कि कला या कविता को लेकर उनकी सोच इतनी सीमित और बनावटी कैसे हो सकती है।'

Highlights

1. Congress paying influencers ₹25,000 to attend Rahul Gandhi's event, says BJP, shares call recording
2. Engage more with youth: PM Modi’s message to officials in high-level meeting
3. Students complain about 'closeness' between teacher, female colleague at MP school; both transferred
4. Bombay High Court halts Neville D'Souza football ground conversion
5. Man peels off newly built road in Punjab with his hands to highlight poor quality
6. ₹3 crore cash found at taxi driver's house in Madhya Pradesh
7. Starlink would help the least served in India: Elon Musk after approval snub
8. Fuel prices largely unchanged in major Indian cities on August 21

Same Salary, Different Futures: How EMIs and Investments Shape Your Financial Life

NEW DElHI, (Agency). Ayush and Krish have a lot in common. Both have around six years of corporate experience and take home close to ₹1.5 lakh a month. Yet their finances tell two very different stories.

Ayush starts every month with nearly ₹45,000 committed to EMIs for his phone, PS5, sofa, and a 2025 vacation. He manages to invest around ₹10,000 a month.

Krish, on the other hand, has no lifestyle EMIs, invests close to ₹70,000 every month, and has built a ₹3 lakh emergency fund.

While their incomes are the same, their financial momentum is very different.

When EMIs Start Eating Into Your Salary

EMIs are not inherently problematic. A home loan can help finance the purchase of a long-term asset, while a car loan may be practical when a vehicle is necessary.

The equation changes when EMIs become the default method for funding lifestyle expenses. A premium phone may cost ₹10,000 a month. A holiday may add another ₹20,000. Furniture and gadgets add a few thousand more. Individually, each EMI looks manageable. Together, they can quietly absorb a large part of monthly income.

इंदौर से दिल्ली जा रही हंस ट्रैवल्स की बस का टायर निकला

यात्रियों ने शोर मचाया फिर भी ड्राइवर चलाता रहा

इंदौर। इंदौर से बस द्वारा दिल्ली जा रहे 28 नागरिकों की जान उस समय खतरे में पड़ गई, जब चलती बस का टायर निकल गया और ड्राइवर उसी हालत में बस को आगे चलाता रहा। यात्रियों के शोर मचाने पर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी। यदि यह बस थोड़ी और दूर इसी तरह से चल जाती तो पलट जाती और बड़ा हादसा हो सकता था।

हंस ट्रैवल्स की बस बुधवार शाम को इंदौर से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। यह बस स्लीपर कोच होकर एयर कंडीशन है। इस बस से यात्री दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। ग्वालियर से 70 किलोमीटर पहले जब यह बस चल रही थी, उसी समय पर बस का 1 टायर निकल गया। ड्राइवर ने इस स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया और वह बस को अपनी गति से आगे बढ़ाता रहा। इसके बाद 3 किलोमीटर और चलने पर बस के दूसरे पहिए का भी 1 टायर निकल गया और बस घसीटने लगी। बस में सवार यात्री उछलने लगे। ऐसे में यात्रियों ने शोर मचाया तो बस चालक ने बस रोकी। यदि इस बस को रोका नहीं जाता और यह कुछ देर तक और इसी हालत में चलती तो संभव है कि बस पलट जाती और बड़ी घटना हो जाती। इस बस में सवार टेंट व्यवसायी संजय कोठारी ने बताया कि इस घटना के बाद हमने ट्रैवल एजेंसी के प्रतिनिधि नितिन से संपर्क किया तो वह कुछ मदद करने की स्थिति में नहीं थे। यह घटना रात करीब 3.30 बजे हुई। स्थानीय पुलिस मौके पर आ गई थी और उनके द्वारा सहयोग किया गया। उसके बाद से सभी यात्री उसी स्थान पर जंगल में ही सड़क के किनारे खड़े रहे। सुबह करीब 6.30 बजे ट्रैवल एजेंसी की 1 अन्य बस उस क्षेत्र से गुजर रही थी, तो पुलिस ने इस बस को रोक कर इन सभी यात्रियों को वहां से ग्वालियर भिजवाया। सुबह जाकर ट्रैवल एजेंसी की ओर से कहा गया कि हम किसी बस का व्यवस्था करते हैं, तब तक आप लोग ग्वालियर में ही रुके रहिए। इस बस में इंदौर के 28 यात्री सवार थे। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी बस में मौजूद थे।

●आईटीआई गेस्ट फैकल्टी पर एफआईआर

दिव्यांग छात्रों से खाने के पैसे लेने का आरोप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हीरा नगर थाना क्षेत्र में कोर्ट के आदेश के बाद ITI की एक गेस्ट फैकल्टी के खिलाफ गुरुवार को एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी महिला फैकल्टी शासन द्वारा दिव्यांग छात्र-छात्राओं को दिए जाने वाले निशुल्क भोजन के बदले उनसे हर महीने 2 से 3 हजार रुपए ले रही थी।

फरियादी अंजू कोहली की शिकायत और अदालत के निर्देश के बाद पुलिस ने आरोपी इंद्रा जाटव (पति अनिल जाटव, निवासी राजीव आवास विहार) के खिलाफ अमानत में खयानत की धाराओं में केस दर्ज किया है। हीरा नगर थाना प्रभारी (टीआई) सुशील पटेल ने बताया कि आरोपी इंद्रा यहां गेस्ट फैकल्टी के रूप में कार्यरत थी। शासन की योजना के अनुसार संस्थान में पढ़ने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है। शनिवार और रविवार को मेस बंद रहने का फायदा उठाकर आरोपी महिला फैकल्टी भोजन देने के नाम पर हर विद्यार्थी से 500 से 700 रुपए तक लेती थी। इस मामले में एक दिव्यांग छात्रा ने वकील के माध्यम से कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर हीरा नगर पुलिस ने FIR दर्ज की। थाना प्रभारी के मुताबिक, फिलहाल आरोपी महिला टीचर की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक